

Need to take necessary measures for promotion of skill development among youths in the country-Laid

डॉ. मन्ना लाल रावत (उदयपुर) : युवाओं के देश में कौशल अन्तराल एक बहुत बड़ी चुनौती है, जो विकसित भारत@2047 के मार्ग में एक बड़ी बाधा दिखती है। वर्तमान में महाविद्यालयों से सीधे निकलने वाले प्रत्येक 2 में से 1 युवा आसानी से रोजगार योग्य नहीं माना गया है। इसमें कई चुनौतियाँ हैं जिसमें आम धारणा है कि कौशल अंतिम विकल्प है, जो प्रगति नहीं कर पाए है। सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम 20 से अधिक मंत्रालयों में फैला है, जिसमें मजबूत समन्वय एवं निगरानी तंत्र का अभाव है, प्रशिक्षकों की कमी, क्षेत्रीय एवं स्थानिक स्तरों पर मांग और आपूर्ति में अंतराल, कौशल एवं उच्च शिक्षा कार्यक्रमों और व्यावसायिक शिक्षा के बीच सीमित गतिशीलता, प्रशिक्षण कार्यक्रमों का बहुत कम कवरेज, महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी में गिरावट, औपचारिक शिक्षा प्रणाली में उद्यमशीलता को व्यापक स्तर पर शामिल ना करना, विविध स्तर पर मार्गदर्शन एवं वित्त की पहुंच का अभाव प्रमुख है। मेरा सरकार से आग्रह है इन विषयों पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप कार्य करने की तीव्र रणनीति बनाई जाए।